बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में मंगलवार, तिथि १३ दिसम्बर, १९६० को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

श्री दीपनारायण सिंह—महाशय, मैं द्वितीय बिहार विधान-सभा के षष्टम् सत्र के १५१ अनागत तारांकित प्रश्नों के उत्तर सभा के मेज पर रखता हूं। शेष लंबित प्रश्नों के उत्तर सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर उपलब्ध कराए जायेंगे।

सूची।

क्रम संख्या।	सदस्यों के नाम।	प्रश्न संख्या।
१	श्री रामानन्द तिवारी	४, २८६, ७२६, १०३४, ११०४, १२३१।
२	श्री कर्पूरी ठाकुर	१५, ५६, ३६०, १३५४।
३	श्री रामानन्द सिंह	७४, ३४१, ७५५।
४	श्री एस० के० बागे	१२१, २४७, ६९५, १०३०, १२५२, १२६८, १७३७।
५	श्रीमती बनारसी देवी	११०, १२१७, १३३६।

श्री सुरेन्द्र दत्त द्वारा वेतन के लिये अनशन किया जाना।

१५४१। श्री कामदेव प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि संथाल परगना जिला परिषद् द्वारा साहाय्य प्राप्त बुकाराह माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक श्री सुरेन्द्र दत्त ने विगत २२ नवम्बर १९६० से इसलिये आमरण अनशन कर रखा है कि उन्हें १८ महीने का बकाया वेतन स्कूल की प्रबन्ध समिति ने नहीं चुकाया है;

(२) यदि उपरोक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त शिक्षक को बकाया वेतन दिलाने का प्रबन्ध शीघ्र करने जा रही है;

(३) क्या यह बात सही है कि अनशन के चलते शिक्षक की दशा मरणासन्न हो चली है?

कुमार गंगानन्द सिंह—(१) सम्बद्ध शिक्षक ने २१ नवम्बर १९६० से आमरण अनशन शुरू किया था पर उन्होंने अनशन २४ नवम्बर १९६० को भंग कर दिया है क्योंकि उन्हें शीघ्र ही वेतन चुकाने का आश्वासन दिया गया है।

(२) उन्हें तत्काल १०० रु० दिये गये हैं तथा शेष का भुगतान शीघ्र ही कर देने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

(३) खंड (१) के उत्तर में बताई गयी परिस्थिति में यह प्रश्न नहीं उठता।

NON-SUPPLY OF GAME MATERIALS.

1544. Shri SABHAPATI SINGH : Will the Education Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that game materials are not being supplied for the Middle Schools of the Board after 1958 although there is a fund for it;

(2) whether it is a fact that handsome amount for game materials are lying in each school unspent and the boys are being deprived of the games due to the non-supply of the game materials;

(3) if the answers to the above clauses be in the affirmative, what steps do Government propose to see that each Middle School is supplied with game materials each year so that boys may not be deprived of games ?

कुमार गंग नन्द सिंह--(१) ऐसी बात नहीं है। खेल-कूद के सामान के लिये जिला शिक्षा कोष से कोई अनुदान नहीं दिया जाता है और न उस कोष में इसके लिये उपबन्ध ही है। इस मद में विद्यार्थियों से ही शुल्क वसूल किये जाते हैं और उसी संचित राशि से आवश्यकतानुसार खेल-कूद के सामान विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा ही खरीद किये जाते हैं।

(२) इस प्रकार की सूचना या शिकायत सरकार को प्राप्त नहीं हुई है।

(३) उपर्युक्त खंडों के उत्तर के बाद यह प्रश्न नहीं उठता।